पंचदश

बिहार विधान-सभा

बोडश सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

वर्ग-3

बुधवार, तिथि 25 चैत्र, 1937 (श0)
15 अप्रील, 2015 (ई0)

प्रश्नों की कुल संख्या **01**

(1) ग्रामीण विकास विभाग	01
कुल योग —	01

भवन निर्माण नहीं करने का औचित्य

29. श्री (डॉ०) अच्युतानन्द--स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 18 फरवरी, 2015 के अंक में छपी खबर "5 साल में 140 पंचायतों में ही बना मनरेगा भवन" शीर्षक के आलोक में क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य में चल रही मनरेगा योजना के संचालन के लिये राज्य के प्रत्येक पंचायत में कार्यालय के रूप में एक-एक मनरेगा भवन के निर्माण कराने की स्वीकृति वर्ष 2009-10 में ही दी गयी थी ;

(2) क्या यह बात सही है कि संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों की उदासीनता के कारण पिछले पाँच वर्षों में उपरोक्त योजना में मात्र 140 पंचायतों में ही भवन का निर्माण हो सका है, जिससे योजनाओं के क्रियान्वयन एवं अंकेक्षण में कठिनाइयाँ आ रही हैं ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो राज्य के सभी पंचायतों में पाँच वर्षों में मनरेगा भवन के निर्माण नहीं कराने का क्या औचित्य है ?

हरेराम मुखिया,
प्रभारी सचिव,
बिहार विधान-सभा ।

पटना :
दिनांक 15 अप्रील, 2015 (ई०)।

बि०स०मु० (एल०ए०) 43--डी०टी०पी०--450